

Additional Information
Unstarred Assembly Question No. 59

- a) 'Jal Shakti Abhiyan: Catch the Rain' campaign was launched in year 2021 by Hon'ble Prime Minister of India with the theme "Catch the rain- where it falls, when it falls" covering both urban and rural areas of all the blocks of all districts in the country. It aimed at making water conservation a janandolan through asset creation and communication campaign, just like Swachh Bharat Abhiyan. During the campaign, focus was mainly done on **Six target interventions, namely:**
- a) Water conservation and rainwater harvesting.
 - b) Renovation of traditional and other water bodies/tanks.
 - c) Reuse, borewell recharge structures.
 - d) Watershed development.
 - e) Intensive afforestation.
 - f) Krishi Vigyan Kendra Melas.

In 'Jal Shakti Abhiyan : Catch the Rain- 2021' Haryana achieved the creation of **49136** water conservation and rainwater harvesting structures, renovation of **8623** traditional waterbodies/tanks, creation of **25921** reuse and recharge structures, **6238** watershed development related works and plantation of **14292229** trees.

Thereafter, Government had launched another phase of Jal Shakti Abhiyan starting from 29 March 2022 to 30 November 2022, wherein, Haryana achieved the creation of **10643** water conservation and rainwater harvesting structures, renovation of **4343** traditional waterbodies/tanks, creation of **9514** reuse and recharge structures, **2290** watershed development related works and plantation of **14926363** trees. Apart from above, around 12000 IEC activities were carried out this year to spread awareness on rainwater conservation and harvesting.

With above facts, it is pertinent to mention here that it is difficult to actually assess the total no. of beneficiaries who are benefitted by creation of aforesaid structures. For example, renovation of 4343 traditional water bodies/tanks will benefit the whole community living in that area. Similar, is the case with other intervention. Thus, it can be said that the local communities under the rural and urban areas of the State have been benefitted through aforesaid interventions/focused areas under Jal Shakti Abhiyan from its date of launch.

- b) No separate funds were allotted in Jal Shakti Abhiyan to the State of Haryana for executing activities under proposed interventions of Jal Shakti Abhiyana whereas vide D.O. No. M-93013/1/2021-NWM dated 15th March, 2022 it was informed that existing funds under different schemes like Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS), Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) AND Repair, Renovation & Restoration, Watershed Development Component, Per Drop More Crop under Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY) etc. can be leveraged for the implementation of Jal Shakti Abhiyan : Catch The Rain while working towards a greater vision of water conservation. State Governments were requested to utilize their own resources and also to carry out works through locally mobilized funds and to utilize Finance Commissions' grants for Gram Panchayats for implementation of JSA activities, wherever required. An expenditure of amount Rs. 5814 lacs has been incurred under Jal Shakti Abhiyan 2022 till date in State of Haryana .

In addition, vide NWM D.O. No. 65022/13/2020-NWM dated 15/03/2021 a financial grant of upto Rs. 2.00 lakh was given to each district for GIS mapping, geo-tagging, preparation of scientific action plan and water conservation works. Initially, Rs. 1.00 lakh was given as financial grant for procuring the maps, engaging GIS expert, ground truthing and preparing the scientific plans. Out of which, expenditure of Rs. 9.00 lakh has been done by 9 districts (Charkhi Dadri, Faridabad, Fatehabad, Gurugram, Hisar, Mahendergarh, Nuh, Rewari and Yamunagar). Balance Rs. 1.00 lakh has also been released based on the quality and performance of work done in each district.

- c) Sir, the details of reuse and recharge structures under the scheme of Jal Shakti Abhiyan in Gurugram district from the date of launch of the scheme till to date is as under, further details attached at **Annexure – I:-**

Soak Pit	1870
Other reuse/recharge structure	71
Total	1941

Out of 1941 Reuse and recharge structures, 1706 no's Reuse and Recharge Structures were renovated during JSA- 2021, 235 no's Reuse and recharge structures have been renovated during JSA- 2022.

- d) Sir, the details of renovations of total 35 no's traditional and other water bodies/tanks under Jal Shakti Abhiyan in Gurugram district from the date of launch of the scheme till to date is attached at **Annexure – II**. Out of 35 traditional and

other water bodies/tanks, 26 no's traditional and other water bodies/tanks have been renovated in both phases i.e. Jal Shakti Abhiyan- 2021 and Jal Shakti Abhiyan-2022. Thus, 26 no's waterbodies/tanks overlap in both phases of Jal Shakti Abhiyan. Three no's of Ponds i.e Sarhol, Kadipur, Gariatpur Bas were renovated during 2021 but didn't renovated in 2022. Thus, total no's of traditional and other water bodies/tanks, renovated from the date of launch of the scheme till to date in Gurugram is 35.

Jal Shakti Abhiyan: Catch the Rain
National Water Mission, Ministry of Jal Shakti

S.NO.	Activity Name	Works Completed
Reuse and Recharge Structures		
1	Soak Pit (Urban)	500
2	Soak Pit (Rural)	1370
3	Other Reuse / Recharge Structure	71
		1941

Total No. of Traditonal water bodies restored during year 2021 and 2022

Sr. No.	
TRADITIONAL WATER BODIES RESTORED	
S.No.	Name of Village
1	Mojabad
2	Iqbalpur
3	Harchandpur
4	Daula
5	Palasoli
6	Budhera
7	Garhi Wazidpur
8	Kaliawas
9	Bilaspur
10	Hariyahera
11	Bas Padamka -1
12	Taj Nagar
13	Chandla Dungarwas
14	Daultabad
15	Badshahpur
16	Dhanwapur
17	Begampur Khatola
18	Sarai Alawardi
19	Tigra
20	Sukhrali
21	Basai
22	Jhajgarh
23	Kasan
24	Rampura
25	Birhera
26	Daboda
27	Jarrau
28	Sunderpur
29	Haqdarapur
30	Jarrau-II
31	Mandawar
32	Rahaka

33	Sarhol
34	Kadipur
35	Gariatpur Bas

अतिरिक्त सूचना अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 59

क) 'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन' अभियान वर्ष 2021 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा "कैच द रेन-व्हेयर इट फॉल, व्हेन द फॉल" थीम के साथ शुरू किया गया था, जिसमें देश के सभी जिलों के सभी ब्लॉकों के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान की तरह ही संपत्ति निर्माण और संचार अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को एक जनांदोलन बनाना था। अभियान के दौरान, मुख्य रूप से छह लक्षित हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित किया गया, अर्थात्:

- क) जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन।
- ख) पारम्परिक और अन्य जल निकायों / टैंकों का नवीनीकरण।
- ग) पुनः उपयोग, बोरवेल पुनर्भरण संरचनाएं।
- घ) वाटरशेड विकास।
- ङ) सघन वनीकरण।
- च) कृषि विज्ञान केंद्र मेले।

'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन- 2021' में हरियाणा ने 49136 जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, 8623 पारंपरिक जल निकायों/टैंकों का नवीनीकरण, 25921 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण, 6238 वाटरशेड विकास संबंधी कार्य और 14292229 पेड़ों का रोपण हासिल किया।

इसके बाद, सरकार ने 29 मार्च 2022 से 30 नवंबर 2022 तक जल शक्ति अभियान का एक और चरण शुरू किया, जिसमें हरियाणा ने 10643 जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, 4343 पारंपरिक जल निकायों / टैंकों का नवीनीकरण, 9514 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया, 2290 वाटरशेड विकास संबंधी कार्य एवं 14926363 वृक्षारोपण हासिल किया। उपरोक्त के अलावा, वर्षा जल संरक्षण और संचयन पर जागरूकता फैलाने के लिए इस वर्ष लगभग 12000 आईईसी गतिविधियाँ की गईं।

उपरोक्त तथ्यों के साथ, यहां यह उल्लेख करना उचित है कि उपरोक्त संरचनाओं के निर्माण से लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों की वास्तव में कुल संख्या का आंकलन करना मुश्किल है। उदाहरण के लिए, 4343 पारम्परिक जल निकायों/तालाबों के जीर्णोद्धार से

उस क्षेत्र में रहने वाले पूरे समुदाय को लाभ होगा। इसी तरह, अन्य हस्तक्षेप के मामले में भी है। इसलिए, यह कहा जा सकता है कि राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत स्थानीय समुदायों को जल शक्ति अभियान के लॉन्च की तारीख से उपरोक्त हस्तक्षेपों/केंद्रित क्षेत्रों के माध्यम से लाभान्वित किया गया है।

ख) जल शक्ति अभियान के प्रस्तावित हस्तक्षेपों के तहत गतिविधियों को निष्पादित करने के लिए हरियाणा राज्य को जल शक्ति अभियान में कोई अलग धनराशि आवंटित नहीं की गई थी हालांकि डी.ओ. संख्या एम-93013/1/2021-एनडब्ल्यूएम दिनांक 15 मार्च, 2022 में यह सूचित किया गया था कि जल संरक्षण की व्यापक दृष्टि की दिशा में काम करते हुए 'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन' अभियान के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न योजनाओं जैसे कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), कायाकल्प व शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) एवं मरम्मत, नवीनीकरण और बहाली, वाटरशेड विकास घटक, प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत प्रति ड्रॉप मोर क्रॉप आदि के तहत मौजूदा धनराशि का लाभ उठाया जा सके। राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया कि वे अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करें और स्थानीय रूप से जुटाई गई निधियों के माध्यम से कार्य करें और जहां भी आवश्यक हो, जेएसए गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों के लिए वित्त आयोगों के अनुदान का उपयोग करें। हरियाणा राज्य में अब तक जल शक्ति अभियान 2022 के तहत 5814 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

इसके अलावा, NWM D-O- संख्या 65022/13/2020-NWM दिनांक 15/03/2021 द्वारा जीआईएस मैपिंग, जियो टैगिंग, वैज्ञानिक कार्य योजना तैयार करने और जल संरक्षण कार्यों के लिए प्रत्येक जिले को 2.00 लाख रुपये तक का वित्तीय अनुदान दिया गया। प्रारंभ में, मानचित्रों की खरीद, जीआईएस विशेषज्ञ को नियुक्त करने, जमीनी सच्चाई और वैज्ञानिक योजना तैयार करने के लिए 1.00 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान दिया गया। इसमें से 9 जिलों (चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, गुरुग्राम, हिसार, महेंद्रगढ़, नूंह, रेवाड़ी और यमुनानगर) द्वारा 9.00 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। शेष 1.00 लाख रुपये प्रत्येक जिले में किए गए कार्य की गुणवत्ता और प्रदर्शन के आधार पर जारी किए जा चुके हैं।

- ग) श्रीमान जी, गुरुग्राम जिले में जल शक्ति अभियान योजना के तहत पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का योजना के शुभारंभ की तारीख से लेकर आज तक का विवरण इस प्रकार है, अधिक जानकारी **Annexure – I** में संलग्न है:–

Soak Pit	1870
Other reuse/recharge structure	71
Total	1941

1941 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं में से, 1706 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का जेएसए-2021 के दौरान नवीनीकरण किया गया, 235 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का जेएसए-2022 के दौरान नवीनीकरण किया गया।

- घ) श्रीमान जी, गुरुग्राम जिले में जल शक्ति अभियान के तहत योजना के शुभारंभ की तारीख से अब तक कुल 35 पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों के नवीनीकरण का विवरण **Annexure-II** में संलग्न है। 35 पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों में से 26 पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का दोनों चरणों यानी जल शक्ति अभियान-2021 और जल शक्ति अभियान-2022 में जीर्णोद्धार किया गया है। इसलिए, 26 जल निकाय/टैंक जल शक्ति अभियान के दोनों चरणों में ओवरलैप करते हैं। सरहोल, कादीपुर, गरियातपुर बास के तीन तालाबों का 2021 के दौरान जीर्णोद्धार किया गया था, लेकिन 2022 में नहीं किया गया था। इस प्रकार, गुरुग्राम में योजना के लॉन्च की तारीख से अब तक पुनर्निर्मित पारंपरिक और अन्य जल निकायों / टैंकों की कुल संख्या 35 है।

Jal Shakti Abhiyan: Catch the Rain
National Water Mission, Ministry of Jal Shakti

S.NO.	Activity Name	Works Completed
Reuse and Recharge Structures		
1	Soak Pit (Urban)	500
2	Soak Pit (Rural)	1370
3	Other Reuse / Recharge Structure	71
		1941

Total No. of Traditonal water bodies restored during year 2021 and 2022

Sr. No.	
TRADITIONAL WATER BODIES RESTORED	
S.No.	Name of Village
1	Mojabad
2	Iqbalpur
3	Harchandpur
4	Daula
5	Palasoli
6	Budhera
7	Garhi Wazidpur
8	Kaliawas
9	Bilaspur
10	Hariyahera
11	Bas Padamka -1
12	Taj Nagar
13	Chandla Dungarwas
14	Daultabad
15	Badshahpur
16	Dhanwapur
17	Begampur Khatola
18	Sarai Alawardi
19	Tigra
20	Sukhrali
21	Basai
22	Jhajgarh
23	Kasan
24	Rampura
25	Birhera
26	Daboda
27	Jarrau
28	Sunderpur
29	Haqdarapur
30	Jarrau-II
31	Mandawar
32	Rahaka

33	Sarhol
34	Kadipur
35	Gariatpur Bas